MP Board Class 11 Economics Important Questions Chapter 6 ग्रामीण विकास

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
'स्वर्णिम क्रान्ति' क्या है?
उत्तर:
देश में बागवानी क्षेत्र के विकास हेतु उठाए कदमों को 'स्वर्णिम क्रान्ति' की संज्ञा दी गई।

प्रश्न 2.
'स्वर्णिम क्रान्ति' का आरम्भ काल किसे मानते हैं?
उत्तर:
1991 - 2003 की अवधि को 'स्वर्णिम क्रान्ति' का आरम्भ काल मानते हैं।

प्रश्न 3.
ग्रामीण विकास का अर्थ बताइये।
उत्तर:
उन घटकों के विकास पर ध्यान केन्द्रित करना जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक

प्रश्न 4.
ग्रामीण विकास को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार घटकों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. साक्षरता
2. स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य
3. उत्पादक संसाधनों का विकास
4. आधारिक संरचना का विकास।

प्रश्न 5.
ग्रामीण क्षेत्रों में मानवीय संसाधनों के विकास को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताइए।
उत्तर:

1. साक्षरता
2. स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य।

प्रश्न 6.
ग्रामीण विकास हेतु कोई एक उपाय बताइए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए।

प्रश्न 7.
नए आर्थिक सुधारों का कृषि पर क्या प्रभाव
उत्तर:
नए आर्थिक सुधारों के दौरान देश में कृषि क्षेत्र की संवृद्धि दर में कमी आई है।

प्रश्न 8.
ग्रामीण विकास के मार्ग में आने वाली कोई दो बाधाएँ बताइए।
उत्तर:

1. अपर्याप्त आधारिक संरचना
2. उद्योगों एवं सेवा क्षेत्रों में वैकल्पिक रोजगार अवसरों का अभाव।

प्रश्न 9.
ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि साख की आवश्यकता के कोई एक कारण बताइए।
उत्तर:
कृषि की आगतों को क्रय करने हेतु कृषि साख आवश्यक है।

प्रश्न 10.
भारत में सामाजिक बैंकिंग व्यवस्था का आरम्भ कब हुआ?
उत्तर:
भारत में सामाजिक बैंकिंग व्यवस्था का आरम्भ 1969 में हुआ।

प्रश्न 11.
भारत में कृषि क्षेत्र के विकास हेतु स्थापित सबसे बड़ी संस्था/बैंक का नाम बताइए।
उत्तर:
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)।

प्रश्न 12.
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना किस वर्ष की गई?
उत्तर:
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना 12 जुलाई, 1982 को की गई।

प्रश्न 13.
भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि साख उपलब्ध कराने वाले किन्हीं दो गैर संस्थागत स्रोतों का नाम लिखिए।
उत्तर:

1. साहूकार
2. व्यापारी।

प्रश्न 14.
ग्रामीण बैंक की संस्थागत संरचना में सम्मिलित = किन्हीं तीन संस्थाओं के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. व्यापारिक बैंक

https://www.evidyarthi.in/

2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आर. आर. बी.)
3. सहकारी तथा भूमि विकास बैंक।

प्रश्न 15.
'ऑपरेशन फ्लड' क्या है?
उत्तर:
ऑपरेशन फ्लड का सम्बन्ध दुग्ध क्रान्ति से है जिसमें दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के प्रयास किए गए।

प्रश्न 16.
ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का मुख्य साधन क्या है?
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का मुख्य साधन कृषि है।

प्रश्न 17.
आधारिक संरचना में सम्मिलित कोई दो घटक बताइए।
उत्तर:

1. विद्युत एवं सिंचाई
2. परिवहन सुविधाएँ।

प्रश्न 18.
देश में सरकार को बाजार में हस्तक्षेप करने को क्यों बाध्य होना पड़ा?
उत्तर:
सरकार को निजी व्यापारियों को नियन्त्रित करने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करने को बाध्य होना पड़ा।

प्रश्न 19.
भारत में कृषि विपणन व्यवस्था के कोई दो उद्देश्य बताइए।
उत्तर:

1. किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाना।
2. निर्धनों को उचित कीमत पर वस्तुएँ उपलब्ध करवाना।

प्रश्न 20.
ग्रामीण बैंक व्यवस्था के तीव्र विस्तार का ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
बैंकिंग व्यवस्था के तीव्र विस्तार का कृषि और गैर कृषि उत्पाद, आय और रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 21.
ग्रामीण क्षेत्रों में साख के संस्थागत स्रोतों की भ| कोई एक कमी बताइए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत स्रोत ऋणों की वसूली त करने में असफल रहे हैं।

प्रश्न 22.
कृषि विपणन में सुधार हेतु सरकार द्वारा किए गए कोई एक प्रयत्न का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आधारिक संरचना का विकास किया गया है।

प्रश्न 23.
'ऑपरेशन फ्लड' का सम्बन्ध किससे है?
उत्तर:
'ऑपरेशन फ्लड' का सम्बन्ध दुग्ध उत्पादन से

प्रश्न 24.
'स्वर्णिम क्रान्ति' का सम्बन्ध किससे है?
उत्तर:
'स्वर्णिम क्रान्ति' का सम्बन्ध बागवानी से है।

प्रश्न 25.
जैविक कृषि का कोई एक लाभ बताइए।
उत्तर:
जैविक कृषि से सुरक्षित आहार की पूर्ति एवं रोजगार अवसरों में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 26.
जैविक कृषि की कोई एक सीमा अथवा समस्या बताइए।
उत्तर:
प्रारम्भ में जैविक कृषि की उत्पादकता अत्यन्त कम होती है।

प्रश्न 27.
अवधि के अनुसार कृषि साख को कितने भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।
उत्तर:
अवधि के अनुसार कृषि साख के तीन प्रकार:

1. अल्पकालीन साख
2. मध्यकालीन साख
3. दीर्घकालीन साख।

प्रश्न 28.
कृषि साख के गैर संस्थागत स्रोत कौन से।
उत्तर:
कृषि साख के गैर संस्थागत स्रोतों में साहूकार, देशी बैंकर, भू-स्वामियों, व्यापारियों, रिश्तेदारों आदि को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 29.
कृषि साख के संस्थागत स्रोत कौन से हैं?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

कृषि साख के संस्थागत स्रोतों में विभिन्न वित्तीय संस्थाओं, सहकारी समितियों, सरकार आदि को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 30.
सहकारी साख के दो प्रमुख स्रोत लिखिए।
उत्तर:

1. प्राथमिक साख समितियाँ
2. केन्द्रीय सहकारी बैंक।

प्रश्न 31.
उत्पादन गतिविधियों के विविधीकरण का कोई एक लाभ बताइए।
उत्तर:
इससे ग्रामीण लोगों को वैकल्पिक धारणीय आजीविका के अवसर उपलब्ध होते हैं।

प्रश्न 32.
किन्हीं दो बागवानी फसलों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. औषधीय एवं सुगंधित पौधे
2. चाय एवं कॉफी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
भारत में ग्रामीण विकास की क्या आवश्यकता है?
उत्तर:
भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग दो-तिहाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है तथा उनमें से अधिकांश लोग रोजगार हेतु कृषि पर निर्भर हैं। वर्तमान में कृषि पर आधारित जनसंख्या इतनी अधिक है कि कृषि से सबकजीवन-निर्वाह नहीं हो सकता है। साथ ही गांवों में काफी कृषक निर्धन हैं तथा गांवों में वैकल्पिक रोजगार के अवसर भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। अतः भारत में ग्रामीण विकास की आवश्यकता है।

प्रश्न 2.
भारत में ग्रामीण विकास के मार्ग में आने वाली कोई तीन बाधाएँ बताइए।
उत्तर:

1. भारत में ग्रामीण क्षेत्र की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर है किन्तु कृषि अत्यन्त पिछड़ी अवस्था में है।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना का नितान्त अभाव है।
3. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के वैकल्पिक अवसरों का अभाव है अत: वहाँ बेरोजगारी एवं निर्धनता व्याप्त है।

प्रश्न 3.
ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधनों के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों को स्पष्ट
कीजिए।

उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक कारक हैं जो मानव संसाधनों को प्रभावित करते हैं। मानव संसाधनों को प्रभावित करने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण कारक शिक्षा है, शिक्षा का विकास मानव संसाधनों के विकास हेतु अति आवश्यक है। शिक्षा के अलावा स्वास्थ्य अन्य महत्त्वपूर्ण कारक है, आर्थिक विकास हेतु लोगों का स्वस्थ रहना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधनों के विकास को कई अन्य कारक भी प्रभावित करते हैं जैसे भूमि सुधार, उत्पादक संसाधनों का विकास, आधारिक संरचना का विकास, कृषि अनुसंधान, सूचना प्रसार की सुविधाएँ, निर्धनता एवं रोजगार उन्मूलन कार्यक्रम आदि।

प्रश्न 4.
नाबार्ड पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
देश में कृषि वित्त की आवश्यकता पूर्ति एवं ग्रामीण विकास हेतु शीर्ष संस्था के रूप में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना 12 जुलाई, 1982 को की गई। नाबार्ड का मुख्य कार्य कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए वित्त प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न ग्रामीण वित्त संस्थाओं में समन्वय स्थापित करता है। नाबार्ड ग्रामीण ऋण ढाँचे की एक शीर्षस्थ संस्था है।

प्रश्न 5.
भारत में कृषि साख की आवश्यकता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
कृषि क्षेत्र के विकास हेतु साख की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय कृषक को बीज, खाद, कीटनाशकों, उन्नत औजार आदि को क्रय करने हेतु साख की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त जीवनयापन करने, सामाजिक कार्यों, ब्याज तथा पुराने ऋण चुकाने इत्यादि के लिए भी भारतीय कृषक को ऋण लेना पड़ता है। भूमि में स्थायी सुधार, ऊँची कीमतों के आधुनिक यन्त्रों, भूमि क्रय करने, मकान एवं कुएँ निर्माण इत्यादि के लिए कृषक को दीर्घकालीन ऋणों की आवश्यकता पड़ती है।

प्रश्न 6.
ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि साख के स्रोतों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि साख के स्रोतों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है।

1. गैर संस्थागत स्रोत: इसमें वे स्रोत शामिल होते हैं जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक का कोई नियंत्रण नहीं होता। इसमें साहूकार, व्यापारी, महाजन, बड़े किसान, देशी बैंकर, रिश्तेदार आदि सम्मिलित होते हैं।
2. संस्थागत स्रोत: इसमें वे स्रोत हैं जिन पर भारतीय रिजर्व बैंक का नियन्त्रण होता है। इसमें सहकारी बैंक, व्यापारिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भूमि विकास बैंक इत्यादि सम्मिलित होते हैं।

प्रश्न 7.
जैविक भोजन से आपका क्या अभिप्राय
उत्तर:
जैविक भोजन वह है जो जैविक कृषि द्वारा उत्पादित होता है। इसमें रासायनिक उर्वरकों एवं विषाक्त कीटनाशकों के बिना जैविक विधियों से उत्पादन किया जाता है, जिसका मानव स्वास्थ्य एवं प्रकृति पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। जैविक भोजन से हमें सन्तुलित आहार की प्राप्ति होती है, इस भोजन में पौष्टिक तत्त्वों की मात्रा अधिक पाई जाती है जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 8.
सहकारी साख संस्थाओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
भारत में कृषि सहकारी साख संस्थाओं को मोटे तौर पर दो भागों में विभाजित किया जा सकता हैअल्पकालीन सहकारी साख संस्थाएँ तथा दीर्घकालीन सहकारी साख संस्थाएँ। भारत में अल्पकालीन सहकारी साख व्यवस्था में तीन तरह की समितियाँ साख उपलब्ध करवाने का कार्य करती हैं - प्राथमिक कृषि साख समितियाँ, केन्द्रीय सहकारी बैंक एवं राज्य सहकारी बैंक। भारत में कृषि के दीर्घकालीन विकास हेतु ऋण भूमि विकास बैंक द्वारा दिया जाता है।

प्रश्न 9.
भारत में संस्थागत कृषि साख के महत्त्व के कोई तीन बिन्दु स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

1. भारत में संस्थागत कृषि साख के अन्तर्गत कम ब्याज दर पर कृषकों को पर्याप्त साख उपलब्ध होती है।
2. संस्थागत कृषि साख स्रोतों के फलस्वरूप कृषकों को गैर संस्थागत स्रोतों यथा महाजन, साहूकार आदि के शोषण से मुक्ति मिली है।
3. भारत में संस्थागत कृषि साख के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के वैकल्पिक अवसरों में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 10.
भारत में ग्रामीण बैंकिंग के विस्तार के फलस्वरूप होने वाले कोई तीन सकारात्मक
प्रभावों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था के विस्तार से कृषकों को देशी बैंकरों अथवा गैर संस्थागत स्रोतों के शोषण से मुक्ति मिली है।
2. ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था के विस्तार से कृषि व गैर कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हुई है।
3. ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में आय एवं रोजगार के वैकल्पिक अवसरों में वृद्धि हुई

प्रश्न 11.
कृषि विपणन की उचित व्यवस्था के अभाव में ग्रामीण विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
कृषि विपणन की उचित व्यवस्था के अभाव में ग्रामीण विकास में अनेक बाधाएँ उत्पन्न होती हैं। कृषि विपणन व्यवस्था के अभाव में कृषकों को अपना उत्पाद कम मूल्य पर महाजनों, साहूकारों एवं व्यापारियों को बेचना पड़ता है, साथ ही ये मध्यस्थ तोल में हेरा-फेरी व खातों में गड़बड़ी करके कृषकों का शोषण करते हैं। उपयुक्त भंडारण व्यवस्था के अभाव में काफी उत्पाद खराब हो जाता है अत: कृषकों को कम कीमत पर अपना उत्पाद बेचना पड़ता है।

प्रश्न 12.
जैविक कृषि क्या है? यह धारणीय विकास को किस प्रकार बढ़ावा देती है?
उत्तर:
जैविक कृषि, खेती करने की वह पद्धति है जो पर्यावरण सन्तुलन को पुनः स्थापित करके उसका संरक्षण और संवर्द्धन करती है। जैविक कृषि धारणीय विकास को बढ़ावा देती है क्योंकि इसमें ऐसी विधियों का प्रयोग किया

जाता है जो पर्यावरण मित्र होती हैं अर्थात् जिनका पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। इस कृषि में रासायनिक उर्वरकों एवं विषाक्त कीटनाशकों का प्रयोग नहीं किया जाता जिससे हमारे पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं पशुधन पर हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ते।

प्रश्न 13.
भारत में कृषि विपणन व्यवस्था के विकास में आने वाली कोई तीन बाधाओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. भारत में आज भी बिचौलियों एवं मध्यस्थों द्वारा कृषकों का शोषण किया जाता है। वे कम कीमत पर कृषकों का उत्पाद खरीद कर ऊँची कीमत पर बेचते हैं।
2. भारत में कृषि में लगे अधिकांश लोगों की आर्थिक स्थिति सही नहीं है तथा वे अशिक्षित हैं जिस कारण कृषि विपणन व्यवस्था के विकास में बाधा उत्पन्न होती है।
3. अधिकांश भारतीय कृषक निर्धन हैं, उनके पास भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण उनकी फसलें नष्ट हो जाती हैं।

प्रश्न 14.
भारत में कृषि विपणन व्यवस्था में सुधार हेतु सरकार द्वारा अपनाए गए उपायों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
भारत में सरकार ने कृषि विपणन व्यवस्था हेतु अनेक उपाय अपनाए हैं। भारत सरकार ने सर्वप्रथम व्यवस्थित एवं पारदर्शी विपणन की दशाओं के निर्माण हेतु बाजार का नियमन किया है। सरकार द्वारा कृषि विपणन व्यवस्था में - सुधार करने हेतु आधारिक संरचनाओं का विकास किया गया है। सरकार ने कृषि विपणन हेतु सरकारी विपणन द्वारा कृषकों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाया है। इसके अतिरिक्त सरकार ने न्यूनतम समर्थन कीमत, खाद्य के सुरक्षित भण्डार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदि नौतियों को अपनाया है।

प्रश्न 15.
भारत में पशुपालन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के साथ-साथ पशुपालन रोजगार का मुख्य विकल्प है। अनेक कृषक ग्रामीण क्षेत्रों में गाय, भैंस, बकरी, मुर्गी, बतख आदि का पालन कर आय प्राप्त करते हैं। इस क्षेत्र से महिलाओं को भी बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध हो रहा है। पशुपालन के अनेक सकारात्मक प्रभाव पड़े हैं, जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है तथा दुग्ध, मांस, ऊन तथा अण्डों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रश्न 16.
ग्रामीण विकास में साख के कोई दो महत्त्व बताइए।
उत्तर:

1. कृषि एवं गैर कृषि कार्य में महत्त्वग्रामीण विकास हेतु साख आवश्यक है क्योंकि कृषि एवं गैर कृषि कार्यों हेतु साख लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है।
2. कृषि आगतों हेतु-कृषि साख की सहायता से जिससे उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 17.
ग्रामीण क्षेत्रों में वैकल्पिक रोजगार के रूप में बागवानी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
कृषि के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी रोजगार एवं आय उपलब्ध कराने वाली महत्त्वपूर्ण क्रिया है। बागवानी के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों, रेशेदार फसलों, औषधीय तथा सुगन्धित पौधों, मसालों, चाय, कॉफी आदि का उत्पादन किया जाता है, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि होती है तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। बागवानी के फलस्वरूप ग्रामीण महिलाओं को भी बड़ी मात्रा में रोजगार प्राप्त हुआ है।

प्रश्न 18.
भारत में मत्स्यपालन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
मत्स्यपालन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका का महत्त्वपूर्ण स्रोत है। विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों में यह आजीविका का मुख्य स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में मत्स्यपालन हेतु बजटीय प्रावधानों में वृद्धि की गई है। साथ ही मत्स्य पालन एवं जल कृषिकी के क्षेत्र में नवीन प्रौद्योगिकी का प्रवेश हुआ है, इससे मत्स्यपालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रश्न 19.
ग्रामीण विकास पर सूचना प्रौद्योगिकी के कोई दो सकारात्मक प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

1. नवीन प्रौद्योगिकी की सहायता से मौसम, मृदा दशाओं, उदीयमान तकनीकों आदि की उपयुक्त जानकारी प्राप्त हो सकती है, जिसका उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
2. नवीन सूचना प्रौद्योगिकी से ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े स्तर पर रोजगार के वैकल्पिक अवसर उत्पन्न हुए हैं तथा भविष्य में भी रोजगार के और अधिक अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

प्रश्न 20.
जैविक कृषि के कोई तीन सकारात्मक प्रभावों अथवा लाभों का उल्लेख कीजिए।
अथवा
जैविक कृषि के कोई दो लाभ बताइये।
उत्तर:

1. जैविक कृषि के फलस्वरूप विश्वभर में सुरक्षित खाद्यान्नों की पूर्ति में वृद्धि हुई है।
2. जैविक कृषि में स्थानीय आगतों का ही प्रयोग किया जाता है, जिस कारण कम लागत पर कृषि उत्पादन संभव हो पाता है।
3. विश्व भर में जैविक कृषि उत्पादों माँग में वृद्धि होने से निर्यातों में भी वृद्धि हुई है तथा भविष्य में भी निर्यातों से और अधिक आय की संभावना है।

प्रश्न 21.
जैविक कृषि की कोई तीन सीमाओं अथवा बाधाओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. जैविक कृषि की नई विधियों का प्रयोग करने में किसानों में इच्छाशक्ति एवं जागरूकता का अभाव पाया गया।

2. जैविक कृषि संवर्धन के लिए उपयुक्त नीतियों एवं विपणन व्यवस्था का अभाव रहा है।
3. जैविक कृषि की उत्पादकता रासायनिक कृषि की तुलना में कम रहती है अतः छोटे एवं सीमान्त कृषक इसे नहीं अपनाते।

प्रश्न 22.
जैविक कृषि को लोकप्रिय बनाने हेतु कोई दो सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. जैविक कृषि को लोकप्रिय बनाने हेतु नई विधियों का प्रयोग करने के लिए कृषकों में जागरूकता उत्पन्न करनी चाहिए तथा उन्हें इस हेतु सहायता प्रदान कर प्रोत्साहित करना चाहिए।
2. जैविक कृषि संवर्द्धन हेतु उपयुक्त नीतियों का 7 निर्माण करना चाहिए तथा जैविक उत्पादों हेतु विपणन व्यवस्था न| को अधिक सुदृढ़ बनाना चाहिए ताकि कृषक जैविक कृषि हेतु प्रोत्साहित हो सके।

प्रश्न 23.
सरकारी विपणन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
कृषि विपणन व्यवस्था के लिए सरकार ने सरकारी विपणन व्यवस्था विकसित की है जिसके माध्यम से सरकार कृषकों का उत्पाद क्रय कर उन्हें उनके उत्पादों का उचित मूल्य सुलभ करवाया जाता है। सहकारी समितियों के फलस्वरूप देश में दुग्ध व्यवसाय में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। गुजरात तथा देश के कई अन्य भागों में दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक तथा आर्थिक परिदृश्य का कायाकल्प कर दिया है।

प्रश्न 24.
भारत में मत्स्यपालन व्यवसाय से जुड़े लोगों की प्रमुख समस्याओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
देश में मत्स्यपालन कृषि के अतिरिक्त वैकल्पिक रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं, किन्तु आज भी मत्स्यपालन से जुड़े लोगों के जीवन में अनेक समस्याएँ हैं। मत्स्यपालन से जुड़े लोग अत्यधिक निर्धन हैं तथा उनकी आय भी अत्यन्त कम है। इस व्यवसाय में रोजगार के ग अवसर भी सीमित होते हैं। इस व्यवसाय में लगे लोगों का न अन्य कार्यों की ओर प्रवाह का अभाव है अत: वे पूरी तरह से मत्स्यपालन पर ही निर्भर हैं। इसके अतिरिक्त अधिकांश में मछुआरे उच्चतर निरक्षरता दर एवं गंभीर ऋणग्रस्तता की नी समस्या से ग्रस्त हैं।

प्रश्न 25.
भारत में कृषि विपणन के दोषों को संक्षेप वा में स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में कृषि उपज का विपणन संगठन बहुत ग कमजोर है। इसमें अनेक दोष विद्यमान हैं। भारत में कृषि विपणन के प्रमुख दोष निम्न प्रकार हैं-कृषकों के पास वित्तीय सुविधाओं का अभाव, कृषक संगठनों का अभाव, यातायात एवं संचार सुविधाओं का अभाव, उत्पादन की ग्रेडिंग एवं प्रमाणीकरण का अभाव, गोदामों एवं भण्डारों का अभाव, मध्यस्थों द्वारा शोषण इत्यादि।

प्रश्न 26.
कृषि साख अथवा वित्त के संस्थागत स्रोतों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

कृषि साख के संस्थागत स्रोत-कृषि साख के संस्थागत स्रोतों के अन्तर्गत वे स्रोत आते हैं जिन पर भारतीय नई| रिजर्व बैंक का पूर्ण नियन्त्रण होता है। संस्थागत स्रोतों के ता अन्तर्गत व्यापारिक बैंकों, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भूमि विकास बैंक एवं अन्य सहकारी संस्थाओं, नाबार्ड, सरकार आदि को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 27.
अल्पकालीन साख से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
अल्पकालीन साख वह होती है जो बहुत कम समयावधि हेतु ली जाती है। अल्पकालीन साख की अवधि 15 महीने तक होती है। अल्पकालीन साख चालू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ली जाती है, जैसे - खाद, बीज, कीटनाशक आदि क्रय करना। किसान गाँव के महाजन या सहकारी समिति से इस प्रकार के ऋण प्राप्त करते हैं। ऐसे ऋण उपभोग की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी लिए जाते हैं।